



भारत सरकार Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

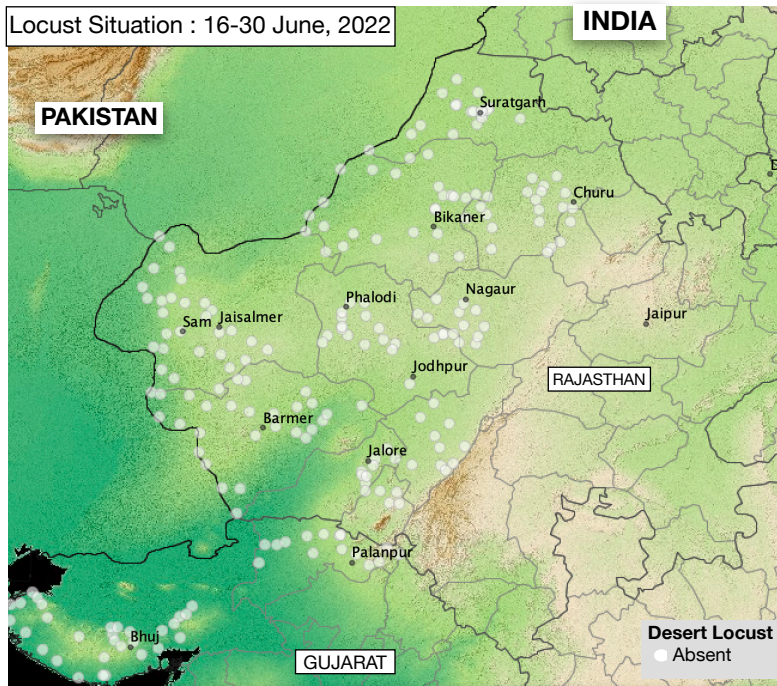
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2022 / No. 12

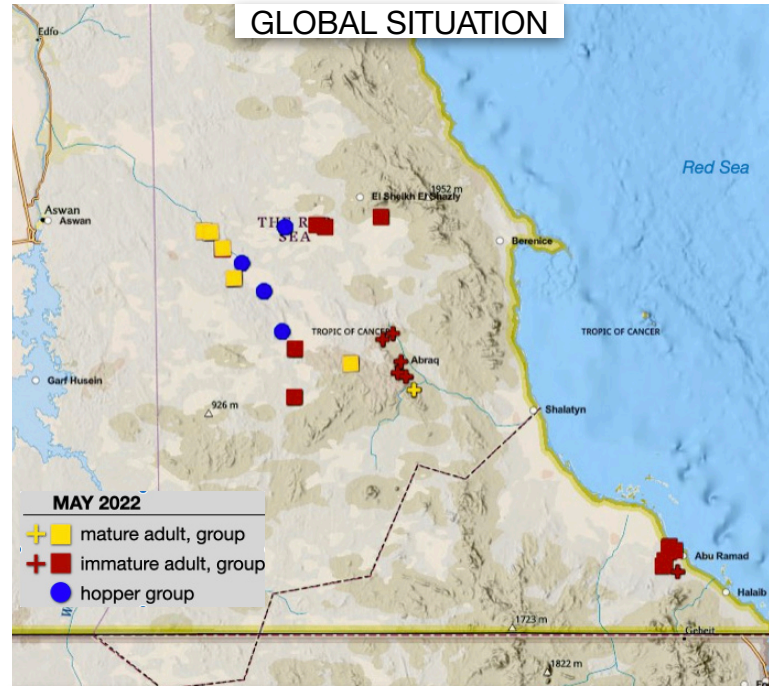
अवधि / Period 16-30 June, 2022

LOCUST SITUATION : During the routine survey, it has been observed that India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities in the 2nd fortnight of June, 2022. Total 220 nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : जून 2022 के द्वितीय पखवाड़े में भारत रेगिस्तानी टिड्डी की समूह एवं एकल गतिविधियों से मुक्त रहा है। इस अवधि में अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्रों में नियमित सर्वेक्षण के दौरान कुल 220 स्थानों का अवलोकन किया गया जिन्हें मानचित्र पर चिह्नित किया गया है।



India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities

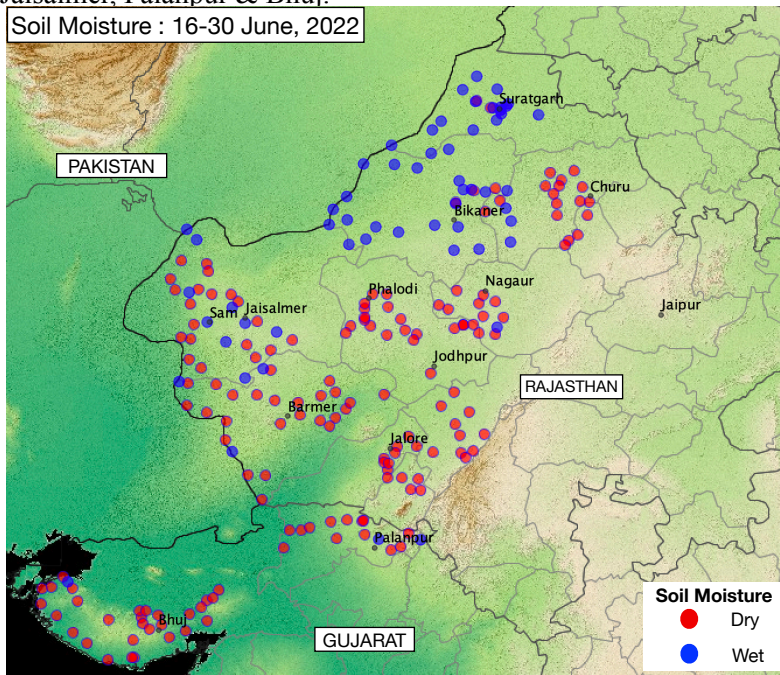


Ecological conditions were dry and unfavourable for breeding in all regions because of a lack of rainfall. Small locust infestations were present in southeast **Egypt** and southwest **Pakistan**.

Swarm movement	: Nil
Breeding	: Nil
Hoppers	: Nil
Scattered / Isolated adult/Adult Groups	: Nil

WEATHER AND ECOLOGY : Light to moderate rainfall observed during the reporting period. Soil moisture observed dry in all survey places except Suratgarh, Bikaner and few places in Jaisalmer. Vegetation was found green at Suratgarh, Bikaner, Churu, Phalodi, Barmer, Jalore and dry at Nagaur, Jodhpur, Jaisalmer, Palanpur & Bhuj.

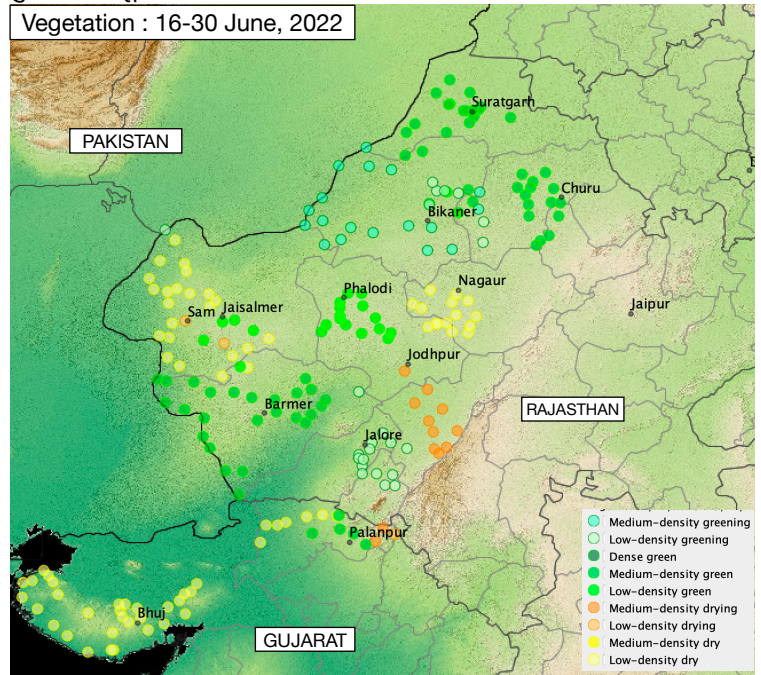
Soil Moisture : 16-30 June, 2022



Soil moisture observed dry in all survey places except Suratgarh, Bikaner and few places in Jaisalmer.

मौसम एवं परिस्थितिकी : रिपोर्टिंग अवधि के दौरान हल्की से मध्यम वर्षा देखी गई। सूरतगढ़, बीकानेर और जैसलमेर के कई स्थानों को छोड़कर शेष सभी सर्वे स्थानों में भूमि नमी रहित पायी गई। सूरतगढ़, चुरु, बीकानेर, बाड़मेर, फलोदी, जालोर में वनस्पति हरी पाई गई जबकि नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, पालनपुर और भुज में इसे सूखा पाया गया।

Vegetation : 16-30 June, 2022



Vegetation was found green at Suratgarh, Bikaner, Churu, Phalodi, Barmer, Jalore & dry at Nagaur, Jodhpur, Jaisalmer, Palanpur & Bhuj.

FAO Update (1 June): Ecological conditions were dry and unfavourable for breeding in all regions because of a lack of rainfall. In **Egypt**, hoppers and adults concentrated in the little vegetation that remained green near the Red Sea coast and formed several small groups that were treated. There is a limited risk that any undetected adult groups could move south to cropping areas in the Nile Valley in northern **Sudan**. In **Pakistan**, a few spring-bred solitary adults were present on the southwest coast. During the forecast period, small-scale breeding is likely to commence in the summer breeding areas of the northern Sahel between **Mauritania** and western **Eritrea** and along both sides of the **Indo-Pakistan** border.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

FORECAST (India) : Ecological conditions are not favourable for DL breeding in India and as per FAO update there is no DL activity reported in SWAC region. Therefore, any migration/locust activity is not expected in coming fortnight, but surveys for close monitoring will be continued.

एफ. ए. ओ. अपडेट (1 जून) : वर्षा की कमी के कारण सभी क्षेत्रों में पारिस्थितिक स्थिति शुष्क और प्रजनन के लिए अनुकूल नहीं है। **मिस्र** में, लाल सागर तट के पास हॉपर और वयस्क हरी छोटी वनस्पतियों में केंद्रित थे और उनसे कई छोटे समूह बने थे जिनका नियंत्रण किया गया। **उत्तरी सूडान** में नील घाटी के फसल क्षेत्रों में किसी अज्ञात वयस्क समूह की दक्षिण में बढ़ने की जोखिम है। **पाकिस्तान** में, वसंत-प्रजनन के कुछ एकान्त वयस्क दक्षिण-पश्चिमी तट पर मौजूद थे। पूर्वानुमान अवधि के दौरान, **मॉरिटानिया** और पश्चिमी **इरिट्रिया** के बीच, **भारत-पाकिस्तान** सीमा के दोनों किनारों के बीच एवं उत्तरी साहेल के ग्रीष्मकालीन प्रजनन क्षेत्रों में छोटे पैमाने पर प्रजनन शुरू होने की संभावना है।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एसडब्ल्यूएसी) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

पूर्वानुमान : भारत में टिड्डी प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं एवं एफ. ए. ओ. अपडेट के अनुसार, एसडब्ल्यूएसी क्षेत्र में टिड्डी गतिविधि की कोई सूचना नहीं है। इसलिए, आने वाले पखवाड़े में टिड्डी की किसी प्रकार की गतिविधि/ देशांतर गमन की उम्मीद नहीं की जाती, लेकिन कड़ी निगरानी के लिए सर्वेक्षण जारी रहेगा।

Photographs taken by surveyors during Survey

